St. Ursula Girls' High School & Jr. College, Nagpur

E-Calendar

Session 2020-2021

परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं, वे नया बल प्राप्त करते जाएँगे, वे उकाबों के समान उड़ेंगे, वे दौड़ेंगे और श्रमित न होंगे, चलेंगे और थकित न होंगे।

यशायाह 40:31

THE URSULA SPECTRUM

ARISE SHINE

विभाग प्रमुख
अग्रलेख

शिक्षा को सुनो, और बुद्धिमान हो जाओ ,उसके विषय में अनसुनी ना करो
(नीति वचन 8:33)

हर एक सफलता के बाद आत्मविश्वास बढ़ता जाता है ,जिससे अगली बार सफल होना आसान हो जाता है। इसके साथ अगर अच्छा प्रोत्साहन भी जोड़ दिया जाए तो यह अच्छे स्वाभिमान का रूप लेना आरंभ कर देता है।

अनुशासन से ही तो सफलता प्राप्त करना और भी आसान हो जाता है ।अनुशासन जिसे हम अत्यंत कठोर होता है ऐसा समझते हैं ,किंतु बच्चों हम आपको बताना चाहते हैं कि अनुशासन प्यार को व्यक्त करता है। जिस प्रकार सारी दवाईयां मीठी नहीं होती उसी प्रकार अनुशासन भी हमें तब तक कठोर और कड़वा लगता रहेगा जब तक हम उसे अपना ना ले। अनुशासन जितना कड़वा लगता है उसके परिणाम उतने ही मीठे होते हैं। इसी अनुशासन को अपनाने से बाद में जीवन सरल, सफल और खुशहाल बनता है ।

हमने आपको बताया कि अनुशासन प्यार को व्यक्त करने का एक तरीका है। चलिए कुदरत के एक उदाहरण से समझने की कोशिश करते हैं । जब जिराफ़ के बच्चे का जन्म होता है ,तब माता- जिराफ का सबसे पहला काम होता है बच्चे के पीछे जाकर उसे एक जोरदार ठोकर मारना। इस चोट से बच्चा उठ तो जाता है, लेकिन कमजोर और लड़खड़ाते पैरों की वजह से फिर गिर जाता है। माँ फिर से बच्चे के पीछे जाकर एक ठोकर और मारती है। बच्चा खड़ा होकर फिर से गिर जाता है । माँ बच्चे को तब तक ठोकर मारती रहती है ,जब तक बच्चा अपने पैरों पर खड़ा होकर चलने ना लगे । अपने ही बच्चे के साथ माँ ने ऐसा क्यों किया ?माँ -जिराफ़ जानती है, कि जिंदा रहने का यही एक जरिया है ,कि वह अपने पैरों पर खड़ा हो जाए नहीं तो उसे जंगली जानवरों का शिकार बनने में देरी नहीं लगेगी।

अक्सर देखा जाता है कि ऐसे ही प्यार और अनुशासन में पलने वाले बच्चे माता-पिता का ज्यादा आदर करने वाले और कानून का पालन करने वाले नागरिक बनते हैं।

बच्चों आज भले ही आप अनुशासन शब्द से दूर भागते हो लेकिन याद रहे यह अनुशासन आपके जीवन को सफल बनाने के काबिल है। बच्चे को एक ही बार में पूरा डिब्बा चॉकलेट खाने की छूट देने से वह बीमार पड़ सकता है ,लेकिन एक या दो चॉकलेट खाने देने के अनुशासन से बच्चा उसका आनंद ले सकता।

एक धावक तभी जीत हासिल करता है जब वह दौड़ के नियमों का पालन करें ।हम कुछ व्यक्तियों को ऊंचे मुकाम पर पाते हैं । ऊँचाइयों को छूने वाला व्यक्ति उस शिखर पर दिखाई तो देता है लेकिन यह जान लें कि इस ऊँचाई को हासिल करने के लिए उस व्यक्ति ने कड़ी मेहनत और अनुशासन को अपनाया है । आज हमारे पास सारी सुविधाएँ हैं किंतु अनुशासन के अभाव में हम उन सुविधाओं का पूर्ण लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

आपने आसमान में पतंग को उड़ते तो देखा ही है पतंग के साथ एक डोर बँधी होती है जब आकाश में पतंग उड़ती है तो इसी डोर से ढील दी जाती है और बाद में इसी डोर को खींचा जाता है । यही खिंचाव पतंग को ऊँचाई पर ले जाती है किंतु डोर टूटते ही गर्व से उड़ने वाली पतंग पल भर में जमीन पर गिर जाती है । ठीक इसी प्रकार अनुशासन होने पर हमारी दिशा भी सही होती है।

जिंदगी में एक खास मुकाम हासिल करने के लिए अनुशासित होना अत्यंत आवश्यक है । तो जीवन को अनुशासित कीजिए,अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण कीजिए और खुश रहिए।

हिंदी विभाग प्रमुख
श्रीमती शोभा सालवे

सोना और बहुत से मूँगे तो हैं, परंतु ज्ञान की बातें अनमोल मणि ठहरी है।
(नीति वचन- 20:15)

श्रीमती शोभा सालवे

श्रीमती एलिजाबेथ तोड़े

श्रीमती ज्योति अझीम

श्रीमती अनीता थोरात

श्रीमती कृतिका लांजेवार

श्रीमती मंगला हजारे

श्रीमती मंगला मांगे

श्रीमती अनुपमा जोसेफ

श्रीमती मालिनी थोरात

श्रीमती योगिता टोंगे

श्रीमती मौसमी जैसवाल

श्रीमान इंद्रजीत कुंवर

कु.अर्चना मोहोड़

श्रीमती नेहा तांबे

श्रीमती अनुजा मल्लेलवार

Activities Done in the October

शब्दकोडे

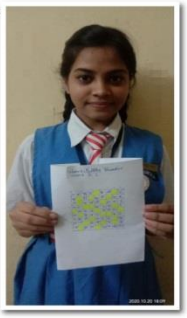
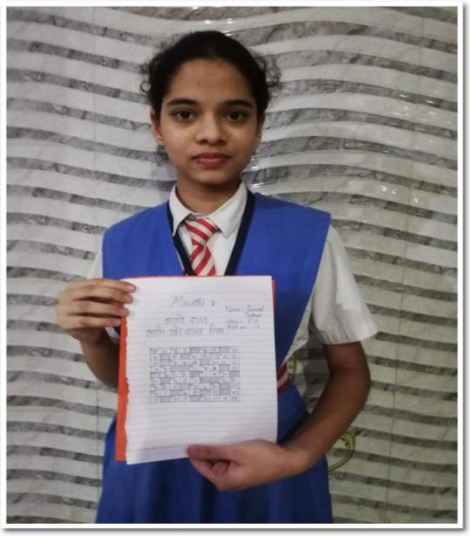
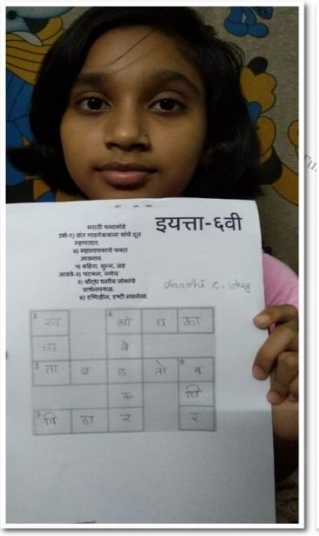

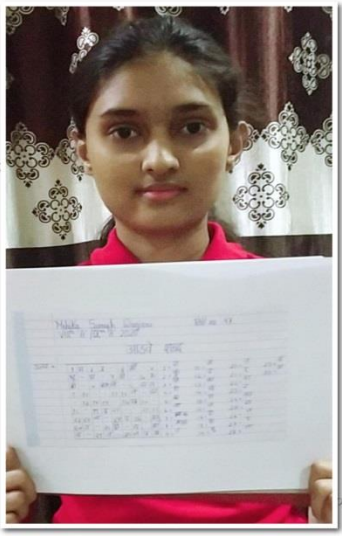

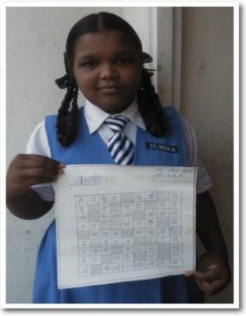
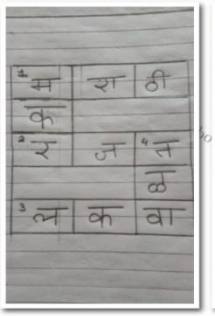

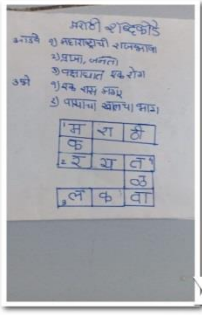

कविता लेखन / निबंध लेखन

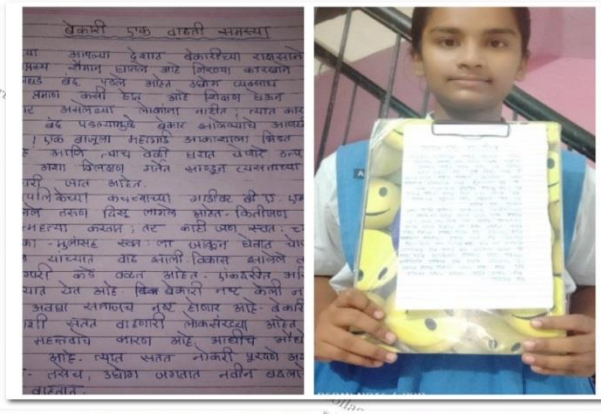

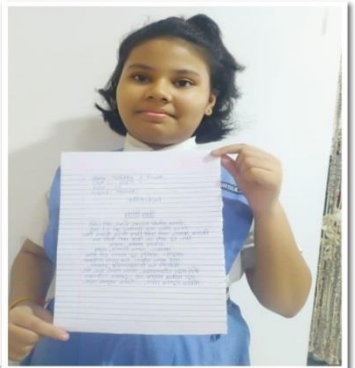
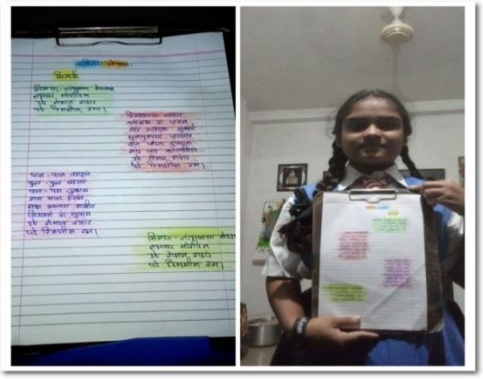
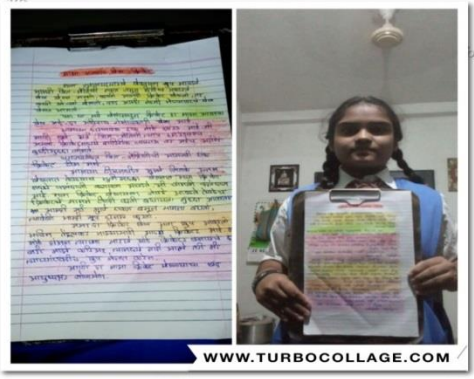

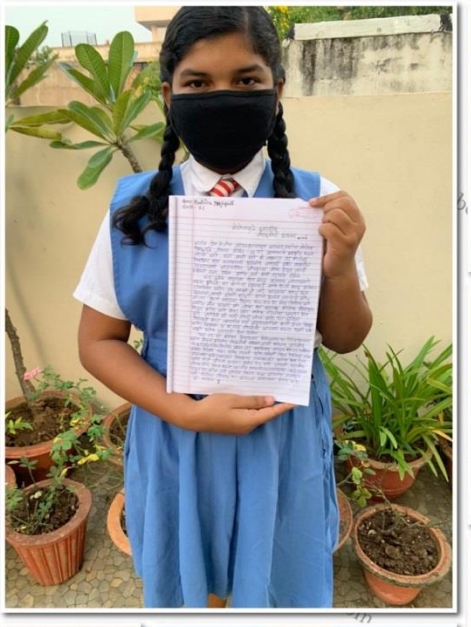

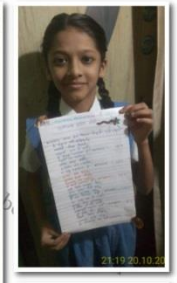

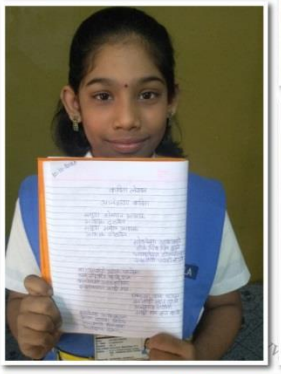

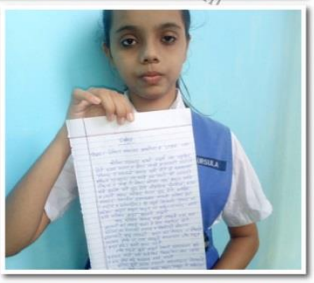

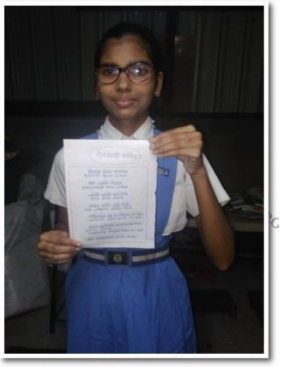

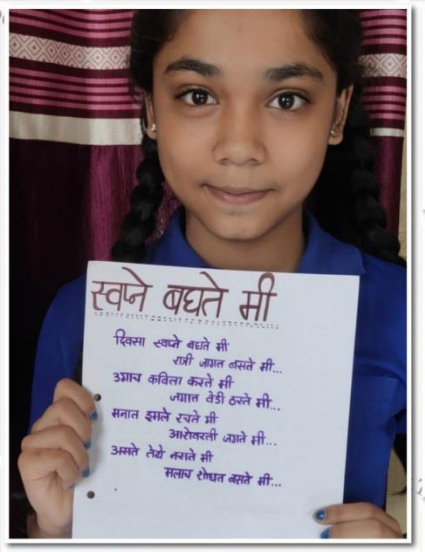

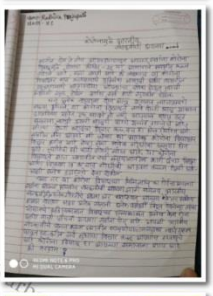

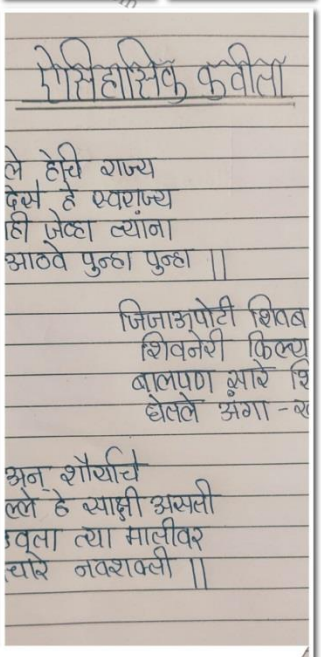

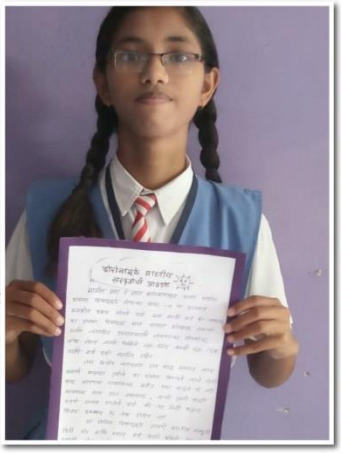

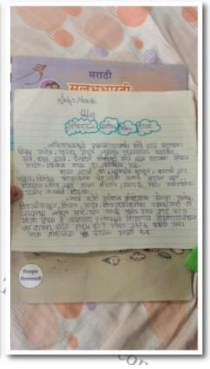

स्वप्ने बघते मी
दिवसा स्वप्ने बघते मी
रात्री जागत असते मी...
उगाच कविता करते मी
ऐतिहासिक कविता
WWW.TURBOCOLLAGE.COM

इ बुक

Virtual English Elocution Competition

Kanishka Chhabra from Std XII and Sadiya Ansari from Std VIII both won a consolation prize in an Inter-School and Inter-Collegiate Virtual English Elocution Competition conducted by Hislop College, Nagpur. The topics were "The person whom I idolize the most" and "Virtual learning in Covid times".

Marathi Language Webinar 2020

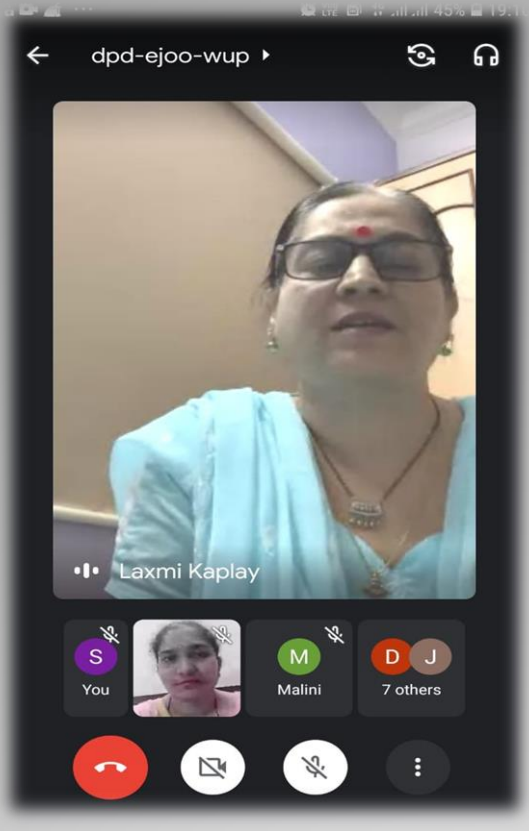

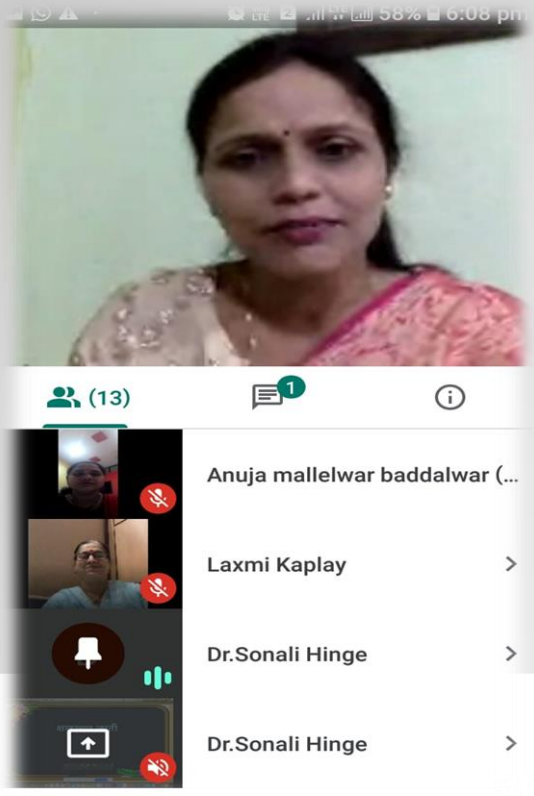

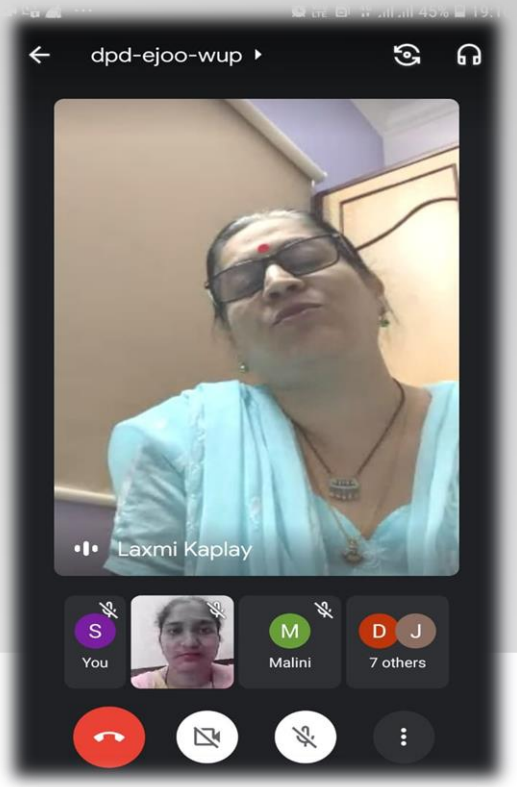

November

Sunday	Monday	Tuesday	Wednesday	Thursday	Friday	Saturday
1	2	3	4	5	6	7
8	9	10	11	12	13	14 Diwali/ Children's Day
15	16	17	18	19	20	21
22	23	24	25	26	27	28
29	30 Guru Nanak Jayanti					

Important Days and their Information:

• 14th November - Diwali

Diwali is the Indian festival of lights, usually lasting five days and celebrated during the Hindu Lunisolar month Kartika. One of the most popular festivals of Hinduism, Diwali symbolizes the spiritual "victory of light over darkness, good over evil, and knowledge over ignorance".

Diwali is usually celebrated twenty days after the Dashera (Dasara, Dasain) festival, with Dhanteras, or the regional equivalent, marking the first day of the festival when celebrants prepare by cleaning their homes and making decorations on the floor, such as *rangoli*.The second day is Naraka Chaturdashi, or the regional equivalent which for Hindus in the south of India is Diwali proper. Western, central, eastern and northern Indian communities observe main day of Diwali on the third day, the day of Lakshmi Puja and the darkest night of the traditional month. In some parts of India, the day after Lakshmi Puja is marked with the *Govardhan Puja and Balipratipada (Padwa)*, which is dedicated to the relationship between wife and husband. Some Hindu communities mark the last day as Bhai Dooj or the regional equivalent, which is dedicated to the bond between sister and brother, while other Hindu and Sikh craftsmen communities mark this day as *Vishwakarma Puja* and observe it by performing maintenance in their work spaces and offering prayers.

• 14th November - Children's Day

Children's Day is celebrated across India to increase awareness of the rights, care and education of children. It is celebrated on 14 November every year as a tribute to India's First Prime Minister, Jawaharlal Nehru. Fondly known as Chacha Nehru among children, he advocated for children to have fulfilled education.

• 30th November - Guru Nanak Jayanti

Guru Nanak Dev Ji Gurpurab, also known as Guru Nanak's Prakash Utsav and Guru Nanak Dev Ji Jayanti, celebrates the birth of the first Sikh guru, Guru Nanak. This is one of the most sacred festivals in Sikhism, or Sikhi.

The festivities in the Sikh religion revolve around the anniversaries of the 10 Sikh Gurus. These Gurus were responsible for shaping the beliefs of the Sikhs . Their birthdays, known as *Gurpurab*, are occasions for celebration and prayer among the Sikhs.

Activities to be done in the Month of November

हिंदी विभाग गतिविधियाँ (नवंबर - 2020)

07/11/20 (V- VIII) दीपावली ग्रीटिंग कार्ड बनाना
09/11/20 (V-VIII) कठपुतली शो
10/11/20 (V - X) चित्रपट
11/11/20 (V - X) ई-बुक वाचन
14/11/20 - दिवाली ,बाल दिवस
18/11/20 - (V-VII) चित्र कथा, (VIII-X) निबंध लेखन
20/11/20 - (V-VII) पहेलियाँ, (VIII - X) हिंदी सुडोकू
23/11/20 - (V-VIII) घोषवाक्य (VIII-X) कविता लेखन
24/11/20 - वेबिनार-(हिंदी विभाग)
25/11/20 - (V- X) कहावतें , मुहावरे
27/12/20 - (V - VII)) सुलेखन (VIII-X) संवाद लेखन
28/11/20 - वेबिनार (कक्षा - X)
30/11/20 - गुरु नानक जयंती

जो इंसान हार के डर से कभी आगे नही बढ़ता, वो इंसान जीवन में कभी कामयाब नही हो सकता।